



**गीता मिश्रा**

अध्यक्षा



बी.एस.एफ. वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन  
सी.सु.बल मुख्यालय  
ब्लॉक-10 सी.जी.ओ कॉम्प्लेक्स  
लोधी रोड, नई दिल्ली-110003  
**BSF Wives Welfare Association**  
**Border Security Force HQrs**  
**Block-10, CGO Complex,**  
**Lodhi Road, New Delhi-110003**  
**Ph : 24362181, Fax : 24360016**

### अध्यक्षा बावा का संदेश

यह मेरे लिए प्रसन्नता का विषय है कि मैं पहले भी बावा से जुड़ी हुई थी और ईश्वर की कृपा से मुझे अब बावा-प्रमुख के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। बावा अध्यक्षा का कार्यभार ग्रहण करने पर मुझे अपार हर्ष एवं गर्व की अनुभूति हो रही है। इस पद पर निहित जिम्मेदारियों का मुझे पूर्ण अहसास है एवं मुझे विश्वास है कि इन जिम्मेदारियों का बावा की समर्पित टीम के सक्रिय सहयोग से सफल निर्वहन किया जाएगा।

सर्वप्रथम मैं बावा परिवार की सभी सदस्याओं को आने वाले नव वर्ष 2019 की हार्दिक शुभकामनाएं देती हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि आने वाला नव वर्ष आप सभी के परिवारजनों के लिए अच्छा स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं विकास के नए आयाम लेकर आए।

बावा, महिलाओं की, महिलाओं के लिए एक ऐसी सशक्त संस्था है जिसके माध्यम से अनेकों कल्याणकारी गतिविधियों को सफलतापूर्वक संचालन हो रहा है। सीमा प्रहरियों के परिवारजनों व शहीद सीमा प्रहरियों के आश्रितों के प्रति हमारी विशेष जिम्मेदारी है। मैं आशा करती हूँ कि हम सब मिलकर सीमा प्रहरियों के परिवारजनों के कल्याण की आधारशिला को और ज्यादा सशक्त बनाने की पूरी कोशिश करेंगे।

इस पद पर कार्य करते हुए मुझे आप सभी के सहयोग की आवश्यकता रहेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी के सहयोग से हम बावा को और भी ऊँचे मुकाम पर ले जाने में सफल होंगे।

इस संदेश के माध्यम से, मैं आप सभी को यह बताना चाहूँगी कि समस्त प्रहरी परिवार की समस्याएं हमारी निजी समस्या होगी और उन समस्याओं के निवारण हेतु और प्रहरी परिवार के कल्याणार्थ हर संभव प्रयास किए जाएंगे। बावा द्वारा प्रहरी परिवार और सामाजिक हित के लिए किए जा रहे सभी प्रयास और कल्याणकारी योजनाएं और भी सुदृढ़ता के साथ चलाई जाएंगी, साथ ही, इन्हें और भी बेहतर करने की हर संभव कोशिश की जाएगी।

इसी के साथ मैं, समस्त प्रहरी परिवार के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करती हूँ कि आने वाला समय आपके जीवन में नित नए आयाम व उपलब्धियाँ लेकर आए।

(गीता मिश्रा)